

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परीषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2011

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-1

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

## भाग-I (साधारण ज्योतिष)

- सत्य अथवा असत्य बताएं। यदि असत्य है तो सत्य उत्तर दें :-
  - ताजिक नीलकण्ठी के रचयिता पृथ्वीराज हैं।
  - ज्योतिष का गणितीय भाग "संहिता" से संबंध रखता है।
  - पुनर्जन्म कर्म सिद्धान्त का आधार है।
  - "होरा" छः वेदानों में से एक है।
  - अथर्व वेद सबसे प्राचीनतम वेद है।
  - 2, 6 व 10 वें भाव काम त्रिकोण कहलाते हैं।
  - सूक्ष्म शरीर मृत्यु उपरान्त समाप्त हो जाता है।
  - संचित किए हुए कर्म आगामी कर्म कहलाते हैं।
  - पराशर ऋषि ने सारावली की रचना की थी।
  - जन्मांग में 1, 4, 7 और 10 भाव कर्म स्थान कहलाते हैं।
- ज्योतिष क्या है व उसका क्या आधार है? क्या ज्योतिष विज्ञान है?
- किन्हीं दो का उत्तर दें :-
  - नव ग्रहों का भगवान विष्णु के किन अवतारों से संबंध है?
  - स्वतन्त्र इच्छा शक्ति का क्या महत्व है?
  - संचित एवं प्रारब्ध कर्म में क्या भेद है?
- कौन से क्रियमान कर्म संचित कर्मों में नहीं जुड़ते हैं? उन्हें जानने की क्या आवश्यकता है? एक ज्योतिषी इनका मार्ग दर्शन में किस प्रकार प्रयोग करता है?
- ज्योतिषी एक बहुमुखी वैज्ञानिक, एक बुद्धिजीवी, एक मनोवैज्ञानिक, आध्यात्मिक और इन सब से बढ़कर एक अच्छा मार्ग दर्शक होता है। आप इससे कहाँ तक सहमत हैं? अच्छे ज्योतिषी की क्या विशेषताएँ हैं?

## भाग-II (ज्योतिष से सम्बंधित खगोल शास्त्र)

- निम्न का उत्तर दें :-
  - वासुदेव संज्ञात व मेष का प्रथम बिन्दु एक ही बात हैं।
  - कलयुग का विस्तार ----- सम्पातिक वर्ष है।
  - विषुवत रेखा के समानांतर काल्पनिक रेखाओं को ----- कहते हैं।
  - हैली धूमकेतु की आवृत्ति ----- वर्षों की है।
  - सम्पात बिन्दु प्रतिवर्ष ----- दर से धीरे धीरे पीछे (पश्चिम की ओर) खिसक रहा है।
  - सायन भोगांश = ----- + -----
  - सूर्य से चन्द्रमा के भोगांश में ----- अंश की बढ़ोतरी से एक तिथि बदलती है।
  - पृथ्वी व चन्द्रमा के परिक्रमा कक्ष के तल एक दूसरे से ----- अंश पर हैं।
  - क्रान्ति वृत्त का वह भाग, जिसके अन्तर्गत सभी ग्रह भ्रमण करते हैं, ----- कहलाता है।
  - पृथ्वी के वृत्त के बाहर स्थित ग्रह ----- कहलाते हैं।
- ग्रहों के वक्रत्व से आप क्या समझते हैं? क्या वक्री ग्रह पृथ्वी से अधिक चमकदार प्रतीत होते हैं? यदि हाँ, तो क्यों?
- एक चित्र के माध्यम से दिखाएं कि चन्द्रमा किस प्रकार पूर्णिमा को सम्पूर्ण दिखाई देता है व अमावस्या को बिल्कुल नहीं दिखाई देता। साथ ही यह बताएं कि चन्द्रमा का सदा एक ही भाग क्यों दिखाई देता है?
- पंचांग क्या है? प्रत्येक अंग का क्या महत्व है? क्या विभिन्न स्थानों का पंचांग समान होता है? क्यों?
- किन्हीं चार का उत्तर दें:
  - अयनांश ii) राहु और केतु iii) क्षय तिथि iv) अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा v) मानक समय

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान पारिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2011

## प्रश्न पत्र-II

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य है। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (गणित ज्योतिष)

1. 14 अप्रैल 2911 को प्रातः 9 बजे बैंगलोर में जन्में जातक का लग्न निर्धारण कर जन्मांग में सभी ग्रह स्पष्ट दिखाएं।
2. i) प्रश्न 1 के जातक के लिए जन्म पर शेष विंशोत्तरी दशा का निर्धारण करें।  
ii) प्रश्न 1 में सभी ग्रहों के नक्षत्र का निर्धारण करें।
3. षड्वर्ग विस्तार से बताएं।
4. निम्न का उत्तर दें :-  
i) स्थानिय समय      ii) ग्रीनविच समय  
iii) मानक समय      iv) सम्पातिक समय
5. निम्न का उत्तर दें :-  
i) भाव संधि      ii) लग्न  
iii) दशम भाव      iv) घटी विघटी

### भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. किन्हीं दो का उत्तर दें :-  
i) जन्म समय संशोधन क्या है?  
ii) पराशरी दृष्टि समझाएं।  
iii) बृहस्पति ग्रह की कर्क व मकर राशि में स्थिति से आप क्या समझते हैं?
7. निम्न का उत्तर दें :-  
i) दूसरा व सातवाँ भाव क्यों मारक कहलाते हैं?  
ii) योग कारक ग्रह क्या है?  
iii) तीनों अर्थ भावों से आप क्या समझते हैं?  
iv) चन्द्र कुण्डली क्या है व इसका क्या महत्त्व है?
8. कोई एक ग्रह व एक भाव बताएं जो निम्न को दर्शाते हैं :-  
i) धन      ii) आयु      iii) वाहन      iv) पिता      v) कर्म  
vi) सहोदर      vii) पुत्र      viii) नेत्र      ix) माता      x) तन
9. बालरिष्ट और योगारिष्ट से आप क्या समझते हैं? विभिन्न लग्नों के लिए मारक ग्रह लिखें।
10. निम्न योगों पर संक्षिप्त में लिखें :-  
i) बुद्ध आदित्य  
ii) अनफा  
iii) केमद्रुम  
iv) पाप कर्तरी

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2011

## प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ज्योतिष योग)

1. क. ज्योतिषी यह कैसे निर्धारित करता है कि भाव व भावाधिपति बली है?  
ख. फलादेश में ग्रहों की अवस्था का किस प्रकार प्रयोग किया जाता है?
2. निम्न जन्मांग का सामान्य विवेचन करें :-  
लग्न : कन्या 28:51, सूर्य : मेष 11:40, चन्द्रमा : मकर 09:06  
मंगल : मकर 27:33, बुध : मीन 18:33, गुरु : मकर 16:43  
शुक्र : मेष 15:44, शनि : वृषभ 24:23, राहु : धनु 16 : 23  
(25.4.1973, 18:00, मुम्बई)
3. निम्न का उत्तर दें :-  
i) नवाशं का महत्त्व ii) भावात् भावम  
iii) विमसोपाक बल iv) लग्नेश
4. नीच भंग राजयोग क्या है? समझाएं। प्रश्न 2 में क्या यह उपस्थित हैं?
5. एक ग्रह, जो दो भावों का अधिपति है, किस प्रकार के फल अपनी दशा अन्तर दशा में देता है (कब और कैसे दोनो भावाधिपति का फल फलीभूल होता है)?

### भाग-II (दशा व गोचर)

6. निम्न का उत्तर दें :-  
(क) विंशोत्तरी महादशा के सामान्य नियम क्या हैं?  
(ख) प्रश्न 2 के लिए जन्म पर दशाशेष व सभी महादशाओं की गणना करें।
7. वेध, विपरीत वेध व वामवेध क्या है? समझाएं।
8. निम्न का उत्तर दें :-  
क) राहु महादशा के सामान्य फल बताएं।  
ख) प्रश्न 2 की कुण्डली के लिए बृहस्पति महादशा एवं शनि अन्तर दशा के लिए फलादेश करें।
9. निम्न का उत्तर दें :-  
क) पर्याय क्या है? शनि के पर्याय फल बताएं।  
ख) "मात्र गोचर किसी घटना को नहीं दिखा सकता", इसका कारण बताएं।
10. मूर्ति निर्णय पद्धति क्या है? बृहस्पति ने 8 मई 2011 को साय 15:00 बजे मेष राशि में प्रवेश किया। पहली चार राशियों के लिए मूर्ति की गणना करें।

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2011

## प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ताजिक शास्त्र)

1. 25 अप्रैल 1973 को 18:00 बजे मुम्बई में बुधवार को जन्मे जातक के लिए 2011-12 (39 वे वर्ष) के लिए वर्ष फल बनाएं।
2. मुद्दा दशा क्या है? विस्तार से समझाएं। प्रश्न 1 के लिए मुद्दा दशा एवं अन्तर दशा की गणना करें।
3. इत्थसाल योग क्या है? क्या प्रश्न 1 में यह उपस्थित है? इस योग के क्या फल होते हैं?
4. ताजिक पद्धति के मुख्य नियम क्या हैं?
5. निम्न को समझाएं :-  
(क) ग्रहम (ख) वर्षेश  
(ग) पुन्याधिपति (घ) इशाराफ योग

### भाग-II (मुहूर्त)

6. मुहूर्त के संबंध में निम्न का उत्तर दें :-  
i) पंचक का महत्व  
ii) ग्रहण का महत्व  
iii) संक्रांति का महत्व  
iv) उत्तरायण व दक्षिणायन का महत्व
7. निम्न का उत्तर दें :-  
क) कौन से तथ्य मुहूर्त कुण्डली को बल प्रदान करते हैं?  
ख) विधारम्भ के लिए किन बातों का ध्यान रखते हैं?
8. तिथि व नक्षत्र का वर्गीकरण विस्तार से समझाएं। उनका क्या प्रयोग है?
9. ग्रह प्रवेश मुहूर्त के लिए किन तथ्यों का महत्व है?
10. निम्न का उत्तर दें :-  
क. मुहूर्त में योग का महत्व  
ख. त्रिकल शुद्धि